विषय–सुरक्षा

कक्षा–9

उद्देश्य–

(1) राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अस्मिता की रक्षा का भाव उत्पन्न होना।
(2) सुरक्षा के महत्व एवं आवश्यकता को समझना।
(3) छात्रों में उद्यमिता के गुणों का विकास करना।
(4) आकस्मिकता एवं खतरों से निपटने की योग्यता का विकास करना।
(5) प्राथमिक चिकित्सा की आवश्यकता को समझते हुए सम्बन्धित सामान्य जानकारी होना।
(6) सुरक्षित वातावरण बनाये रखने में प्रौद्योगिकी के महत्व को समझना।
(7) सुरक्षा हेतु सभी नागरिकों को कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व का बोध कराना।
(8) संवाद दक्षता एवं व्यक्तित्व का विकास करना।

रोजगार के अवसर–

1–पाठ्यक्रम में प्रवीणता प्राप्त करने के पश्चात् सम्बन्धित छात्र एवं छात्रायें भविष्य में देश की सुरक्षा बलों से सम्बन्धित विभिन्न सेवाओं में सैनिक एवं अधिकारियों के रूप में अपनी समझ के आधार पर पर्याप्त योगदान दे सकते हैं।

2–सुरक्षा से सम्बन्धित विभिन्न संस्थाओं में सुरक्षा कर्मी के रूप में रोजगार की प्राप्ति हो सकती है।

सैद्धान्तिक पाठ्यक्रम पूर्णांक 70 अंक

लिखित एवं प्रोजेक्ट कार्य में क्रमशः 23 एवं 10 कुल 33 अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

इकाई–1 **सुरक्षा के मूलाधार** 17 अंक

1– सुरक्षा की अवधारणा, अर्थ एवं परिभाषायें
2– सुरक्षा का उद्देश्य
3– सुरक्षा के विभिन्न तत्व, आन्तरिक एवं वाह्य
4– सुरक्षा के प्रकार–व्यापक सुरक्षा, सामान्य सुरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुरक्षा, आन्तरिक एवं वाह्य सुरक्षा, सैनिक सुरक्षा, आर्थिक एवं औद्योगिक सुरक्षा इत्यादि
5– सुरक्षा से सम्बन्धित चुनौतियां एवं समाधान

इकाई–2 **स्वास्थ्य सुरक्षा** 17 अंक

1– स्वास्थ्य सुरक्षा के घटक–व्यायाम, सक्षमता, समन्वय एवं धैर्य, चिकित्सालय, दवायें एवं प्रशिक्षित चिकित्सक।
2– शारीरिक स्वस्थता का महत्व एवं भूमिका।
3– व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत विकास।
4– स्वास्थ्य सुरक्षा से सम्बन्धित अधः संरचना एवं विधिक पक्ष।

इकाई–3 **आपदा प्रबन्धन एवं सुरक्षा** 18 अंक

1– आपदा प्रबन्धन–निहितार्थ।
2– प्राकृतिक एवं मानवीय आपदायें–कारण एवं प्रभाव।
3– आपदा एवं आपातकालीन प्रबन्धन।
4– आपदा प्रबन्धन के विभिन्न सोपान।
5– आपदा प्रबन्धन से सम्बन्धित विभिन्न संस्थायें।
6– नागरिक सुरक्षा संगठन–अग्नि शमन सेवा, बचाव सेवा एवं प्राथमिक चिकित्सा सेवा।

इकाई–4 **सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सा** 18 अंक

1– प्राथमिक चिकित्सा के आधारभूत सिद्धान्त।
2– प्राथमिक चिकित्सा सम्बन्धी उपकरण एवं सुविधायें।
3– प्राथमिक चिकित्सा के सामान्य नियम।
4– स्वास्थ्य आपात एवं प्राथमिक चिकित्सा।

5– स्वास्थ्य आकस्मिता का अर्थ एवं कारण।

6– शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य।

7– सार्वजनिक स्थल, कारखानों तथा संगठनों में कार्यरत सुरक्षा सेवकों के स्वास्थ्य एवं कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाले कारक।

8– बुखार, लू, अस्थमा, पीठ दर्द, घाव, रूधिरस्राव, जलना, साँप/कुत्ते का काटना, कीट डंक, श्वसन एवं परिसंचरण से सम्बन्धित समस्याएं आदि बीमारियों में प्राथमिक चिकित्सा।

प्रोजेक्ट कार्य **पूर्णांक 30 अंक**

प्रत्येक त्रैमासिक में कोई एक प्रोजेक्ट (कुल 3 प्रोजेक्ट)

1–व्यायाम का अभ्यास–विभिन्न प्रकार के शारीरिक ड्रिल एवं योग।

2–नागरिक सुरक्षा–प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन।

3–प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदाओं को सूचीबद्ध करना।

4–आकस्मिकता के समय प्रयुक्त होने वाले टेलीफोन नम्बरों को सूचीबद्ध करना।

5–आपदा से प्रभावी रूप से निपटने के लिए एक काल्पनिक आपदा योजना तैयार करना।

6–सिक्योरिटी एलार्म का प्रयोग।

7–फायर स्टेशन का भ्रमण कर अग्निशमन यंत्र की कार्यविधि का अध्ययन।

8–एक औद्योगिक संस्थान/कार्यालय का भ्रमण आयोजित कर आकस्मिकता/खतरों हेतु संस्था द्वारा सुरक्षा के उपायों एवं लगाये गये उपकरणों को सूचीबद्ध करना।

9–ओ0 आर0 एस0 का घोल तैयार करना।

10–थर्मामीटर का प्रयोग।

11–प्राथमिक चिकित्सा उपकरणों को सूचीबद्ध करना।

<u>शैक्षिक सत्र 2024–25 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन</u>

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा– (प्रोजेक्ट कार्य)	**अगस्त माह**	**10 अंक**
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा–(प्रोजेक्ट कार्य)	**दिसम्बर माह**	**10 अंक**
3–चार मासिक परीक्षाएं		**10 अंक**

- प्रथम मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) मई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) जुलाई माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक प्रश्नों के आधार पर) दिसम्बर माह
  चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।